heavy rainfall. Madam, the matter is serious and needs immediate attention. It is a question of survival in that part of the country. The scene is the same in all the States in the North-East. Rainfall is there everywhere, but at irregular intervals. The hill tops are bare and the rain water carries everything down causing floods in the plain areas of my State. The impact is also felt by Assam. But the worst affected is our neighbour, Bangladesh.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Excuse me Mr. Nongtdu.The Chairman allowed you to speak on Meghalaya. We are going to have a full-fledged discussion on the flood situation in the country in this House after a few days. At that time, I feel, you can make different points. I am trying to explain because there are some new Members and they should know the procedure. When permission is granted by the Chairman for a Zero Hour submission or for a Special Mention, it is to draw the attention of the Government to a situation arising out of a certain happening. If there are floods in Meghalaya and the situation is serious, then you can draw the attention of the Government so that it can take some corrective or helpful measures. But the whole system and why there are floods can be discussed in the Calling Attention Motion or the Short duration discussion, whichever is taken up. You can mention only Meghalaya.... *(Interruptions)...*

SHRI JOHN F. FERNANADES (Goa): There is not even one Cabinet Minister in the House.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN AFFAIRS AND EMPLOYMENT AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS DR. U. VENKATESWARLU): They are in a Cabinet meeting. They will be coming soon.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am trying to explain to the new Members the procedures of this House. Now, Mr. Nongtdu, you can formulate your speech accordingly.

SHRI ONWARD L. NONGTDU: Madam, my intention is to draw the attention of the Government to this issue. The State Government is shy of taking up stringent measures to preserve forests in the area due to various reasons. Therefore, I feel, the Central Government should no longer remain a passive observer. The Central Government should take immediate steps to stop deforestation in my state, that is, Meghalaya and other areas in the North-East. This is my main submission. I implore upon the Government to take immediate steps to check floods in those areas. Thank you.

RE. BAN ON NEW LPG AND DOUBLE CYLINDER CONNECTIONS

श्री बंगारु लक्ष्मण (गुजरात): उपसभापति महोदय, आपके माध्यम से मैं सरकार का ध्यान इस विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि इस महीने की 18 तारीख को पैट्रोलियम मिनिस्ट्री के आॅयल कम्पनी के एक प्रतिनिधि ने अखबारों में यह बताया है कि एल॰पी॰जी॰ कनेक्शन्स पर बैन लग गया है।

1 तारीख जुलाई से यह बैन अमल में आएगा, यह बात उन्होंने कही है। इस कारण से बहुत से लोग जिन्होंने एल॰पी॰जी॰ के लिए अपना नाम लिखाया है, रजिस्ट्रेशन करवाया है, वेटिंग में हैं, वे परेशान हैं। पेट्रोलियम मिनिस्टर ने परसों मद्रास में एक प्रेस वक्तव्य में कहा है कि 1 करोड़ 35 लाख लोग एल॰पी॰जी॰ की वेटिंग लिस्ट में है। उन्होंने यह भी कहा है कि इस वर्ष, 1996 में 20 लाख कनेक्शन दिए जायेंगे। मैं आपका ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि 1996 के बारे में पिछले मंत्री केप्टेन सतीश शर्मा जी ने एक वक्तव्य दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि एल॰पी॰जी॰ के 1996 में 40 लाख कनेक्शन होंगे जब कि नये मंत्री ने कहा है कि 20 लाख होंगे और तीसरी तरफ यह कहा जा रहा है, पेट्रोलियम कंपनी के एक प्रतिनिधि द्वारा कि अब बैन लगाया गया है। वास्तविकता क्या है, इसकी क्या एक्चुअल पोजीशन है यह बताना बहुत आवश्यक है। नहीं तो इसके कारण बहुत बड़ी गड़बड़ी हो सकती है। आपको मालूम है यह एल॰पी॰जी॰ जो है यह रसोई का सबसे सस्ता माध्यम है और इसीलिए बहुत से लोग, आम आदमी और विशेषतः

महिलायें एल०पी०जी० का कनेक्शन लेने के लिए बहुत उत्सुक हैं। सरकार ने पिछले दिनों यह कहा था कि इसमें पैरलल मार्केटिंग इंट्रोड्यूस किया गया है इसलिए इसकी शार्टेज कम होगी। सरकार ने यह भी घोषणा इसी सदन की अंदर की थी कि सरकार की तरफ से नई नई योजनायें बन रही हैं जिसके कारण इस शार्टेज को दूर करने की कोशिश की जाएगी। एक क्वेश्चन का जो रिप्लाई था उसको मैं यहां पर पढ़कर सुनाना चाहता हूं:

'Plans have been drawn to augment the LPG availability in the country by commissioning new sources, by augmenting the capacity of some of the existing sources and through imports. Plans have also been drawn to commission new import facilities and to augment the capacity of existing import facilities."

यह मैं इसलिए पढ़कर सुना रहा हूं कि पेट्रोल कंपनी के प्रतिनिधि ने यह घोषणा की है कि एल०पी०जी० कनेक्शन पर बैन लग रहा है। उन्होंने यह कहा कि रा-मैटीरियल की शार्टेज के कारण यह बैन लगाया जा रहा है। तो मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि क्या यही स्थिति बनी रहेगी? एल०पी०जी० के रा मैटीरियल की शार्टेज रहेगी? इसमें क्या यह दिक्कत पैदा होगी, इस बारे में सरकार को अपनी स्थिति साफ करनी चाहिए। वैसे तो रा-मैटीरियल की अभी शार्टेज नहीं होनी चाहिए। पहले इस पर बहुत ज्यादा सब्सिडी होती थी लेकिन अब इस सब्सिडी को एल०पी०जी० पर से घटा दिया गया है और 30 परसेंट दाम एल०पी०जी० के बढ़ाए गए हैं। एक तरफ तो सरकार यह घोषणा कर रही थी और दूसरी तरफ पिछली सरकार ने यह कहा था कि 40 लाख कनेक्शन दिए जायेंगे। लेकिन अब की बार यह कहा जा रहा है कि 20 लाख कनेक्शन ही दिए जायेंगे। वास्तविकता क्या है यह सरकार को साफ करना चाहिए। अगर बैन लगा है तो यह कब खत्म होगा इसका भी सरकार को स्पष्टीकरण देना चाहिए और इसी प्रकार सरकार ने जो लक्ष्य रखा है कि इतने कनेक्शन दिए जायेंगे तो उस लक्ष्य के अनुसार क्या इस वर्ष कनेक्शन दिए जायेंगे? पिछला जो 1993, 1994 और 1995 का हमारा अनुभव है जो भी घोषणा लक्ष्य के बारे में की गई वह पूरा नहीं हुआ है। पिछली बार यह कहा गया था कि 20 लाख कनेक्शन दिए जायेंगे जब कि असल में 16 लाख कनेक्शन भी रिलीज नहीं हुए हैं। इसके कारण बहुत सारा कन्फ्यूजन हो रहा है। अगर इस प्रकार की बात आ जाएगी कि मैटीरियल शार्ट है तो फिर भीड़-भाड़ शुरू हो जाएगी। इसलिए मैं सरकार से चाहता हूं कि सरकार पोजीशन क्लेरीफाई करे।

श्री बलदेव सिंह (पंजाब): मैडम, मैं अपने आप को अपने कुलीग से एसोसियेट करते हुए यह बताना चाहता हूं कि इंडियन आयल ने कनेक्शन देने बंद कर दिए हैं। इस बारे में आर्डर इश्यू हो गए हैं और स्थिति बहुत खराब है यह बात मैं सदन के ध्यान में लाना चाहता हूं।

श्री इकबाल सिंह: मैडम, अभी जो यह सवाल यहां पर उठा है तो एम०पीज० कोटा जो हमें दिया गया है। जब हम भेजते हैं तो एजेंसी वाले उनको यह कह कर मना कर रहे हैं कि यह कोटा अब नहीं चल रहा है। मेरे पास तीन एजेंपल हैं, दो पंजाब के हैं और एक दिल्ली का है। मैंने पेट्रोलियम मिनिस्टर को लेटर भी लिखा है। मैं यह भी चाहता हूं कि जो कनफ्यूजन है कि एम०पीज० का कोटा इन्होंने बंद कर दिया है, इसके बारे में भी बताया जाए कि सरकार कब तक रिलीज कर रही है। (व्यवधान)

SHRI SATISH AGARWAL (Rajasthan): Madam, coupons are being given to the Members of Parliament for the quarter July-September, 1996. I think the Parliamentary Affairs Minister should be directed to honour at least the coupons which have already been issued or which are going to be issued for the Members of Parliament for the quarter July-September, 1996. If anything is to be done, .'let him do from the next quarter. Let the Minister react to it.

SHRI S.S. SURJEWALA (Haryana): Madam Deputy Chairman, please permit me to say a few words on this issue.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am permitting you. Please speak.

SHRI S.S. SURJEWALA: Madam, the gas coupons are putting the Members of Parliament in a great difficulty because only 25 coupons are issued for a quarter. Everybody asks us, "Please give us a coupon". If we cannot, they say, "Cannot you give us a coupon?" If the issue of gas coupons for the Members of Parliament could be stopped, it would be of great

help for them. Otherwise, our friends, our supporters and our workers are being annoyed unnecessarily. And this is not a part of the duties of the MPs to distribute LPG coupons. After all, we are not running LPG dealerships. Therefore, I request the Governmemt to totally withdraw the LPG coupons being issued to Members of Parliament.

मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी (बिहार): यह जो कोटा बंद करने वाली बात कह रहे हैं **(व्यवधान)**

†[مولانا عبید اللہ خاں اعظمی: یہ جو کوٹہ بند کرنے والی بات کہہ رہے ہیں۔۔۔ ۔۔۔مداخلت"۔۔۔]

उपसभापति: अब कोई नयी कंट्रोवर्सी शुरू नहीं करिये **(व्यवधान)** बंद करना है, नहीं करना है। **(व्यवधान)**

मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी: जो कोटा दिया जाता है उससे पब्लिक को कुछ तो राहत मिलती है। जो राहत मिलती है उसको बढ़ाना चाहिये न कि बंद करना चाहिये। **(व्यवधान)**

مولانا عبید اللہ خاں اعظمی: جو کوٹہ دیا جاتا ہے اس سے پبلک کو کچھ تو راحت ملتی ہے۔ جو راحت ملتی ہے اسکو بڑھانا چاہیئے نہ کہ بند کرنا چاہیئے۔۔۔مداخلت"۔۔۔]

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश): महोदया, सुरजेवाला जी का बंद कर दीजिये बाकी का चालू रखिये **(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Minister, you are the Parliamentary Affairs Minister. There is a confusion and you have seen it for yourself in the House. One Member says that it should be stopped. Some Members say that it should be continued. Yet some other Members say that the number of coupons should be enhanced. Agarwal Ji says something else. So, there is a total confusion regarding LPG coupons. When there is so much of confusion, kindly take note of this and convey the sentiments of the hon. Members to the Government and the Minister concerned and ask them to clarify the whole position. As you know, hon. Members are directly involved in it because they have to issue the coupons to the people. It is, therefore, necessary that the Government should come before the House and explain its policy in this regard to the satisfaction of all the hon. Members.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (DR. U. VENKATESWAR-LU): Madam, the issue raised by Shri Bangaru Laxman has been noted.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Are you not reacting to the LPG coupons' issue?

DR. U. VENKATESWARLU: No. Madam.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please take note of it.

DR. U. VENKATESWARLU: Madam, the sentiments expressed by the hon. Members in regard to issue of LPG coupons are noted. They will be conveyed to the concerned Minister and the issue will be looked into.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Everybody's views on this should be conveyed to the Government.

DR. U. VENKATESWARLU: All the views expressed in regard to LPG coupons would be conveyed to the Minister concerned.

श्री राघवजी: महोदया, ...

उपसभापति: राघवजी आप मंत्री होते तो इतना ही कहते, शायद इतना भी नहीं कहते।

श्री सतीश अग्रवाल: आपका डायरेक्शन हो गया।

उपसभापति: इतना तो बोल दिया है। कुछ तो आश्वासन मिल रहा है आपको **(व्यवधान)**

श्री राघवजी: मैंने मान लिया।

†[ ] Transliteration in Arabic Script